



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 44] मई विल्ली, सनिवार, नवम्बर 3, 1979 (कार्तिक 12, 1901)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 3, 1979 (KARTIKA 12, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	विषय-सूची	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)	जारी किए गए साधारण नियम (जिसमें	
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम	साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम	
न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों	आदि सम्मिलित हैं)	2437
विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से		
सम्बन्धित अधिसूचनाएं		
587	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय	
को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों		
और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को		
छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि		
के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए		
आदेश और अधिसूचनाएं		3107
1381	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधि-	
सूचित विधिक नियम और आदेश		373
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की		
गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों		
और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं		
—	भाग III—खण्ड 1—महाबोधापरीक्षण, संघ लोक	
सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों		
और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न		
कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं		8619
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की		
गई आदेशों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,		
छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं		
971	भाग III—खण्ड 2—एकत्र कार्यालय, कलकत्ता	
द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस		651
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और		
विनियम		
—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या	
उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं		—
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी		
प्रश्न समितियों की रिपोर्टें		
—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी	
की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि-		
सूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस		
शामिल हैं		2517
भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-		
सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस		147

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE
	587		2473
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1381	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	3107
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	373
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	971	PART III—SECTION 1.—Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	8619
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	651
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2517
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	147

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1979

सं० 42-प्रेष/79—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधि-कारी को उनकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मनबोध सिंह चौहान,
पुलिस उप-अधीक्षक,
बांदा,
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

21 अगस्त, 1977 को लगभग 10.45 बजे श्री मनबोध सिंह चौहान पुलिस उप-अधीक्षक को सूचना मिली कि सदाशिव तथा सोहन चमार के गिराह सुबह बरूआ बांध पर देखे गये हैं। श्री चौहान, श्री जगदीश प्रसाद तिवारी, पुलिस उप-निरीक्षक तथा अन्य पुलिस जवानों के साथ बरूआ बांध की ओर गए। डाकुओं के गिराह को नया छिबीनपुरवा गांव के निकट एक पहाड़ी पर देखा गया। पुलिस दल दो टुकड़ियों में विभाजित किया गया तथा पहाड़ी की पूर्वी और पश्चिमी तरफ से नार्केबन्दी कर दी। जैसे ही डाकुओं को पुलिस की उपस्थिति एवं उसकी गतिविधि का आभास हुआ उन्होंने गोली चलाना शुरू कर दी। यह गोलीबारी लगभग 2-1/2 घंटे तक जारी रही। श्री चौहान ने सब महसूस किया कि यदि गोलीबारी देर तक जारी रखी जाये तो डाकू भंघेरे में बच कर भाग सकते हैं। तदनुसार वे एक कांस्टेबल के साथ पहाड़ी की तलहटी से दूसरी ओर श्री जे० पी० तिवारी की पुलिस टुकड़ी में मिलने के लिए रेंगते हुए आगे बढ़े। श्री तिवारी तथा निर्भय सिंह तोमर, उप-निरीक्षक समेत श्री चौहान ने डाकुओं पर धावा बोलने का आयोजन किया। डाकुओं की गोलीबारी की परवाह न करते हुए उन्होंने पहाड़ी पर रेंगना शुरू किया। श्री चौहान को ठीक बांध के नाचे बायें गाल पर बन्दूक की गोली लगी। श्री तोमर के भी बायें कान के ऊपर सिर में घाव हो गया तथा श्री तिवारी को उनकी बायें भुजा पर रगड़ से चोट आई। इन चोटों के बावजूद भी ये पुलिस अधिकारी विचलित नहीं हुए और आगे बढ़ते रहे। उन्होंने डाकुओं पर गोली चलाई तथा उनमें से दो को मौत के घाट उतार दिया। कुछ समय बाद कुमुक आ गई परन्तु अगली सुबह तक एक एक कर गोलीबारी होती रही। अगली सुबह तलाशी पर गोला-बारूद समेत डाकुओं के दो शव बरामद किए गए। बाकी डाकू भंघेरे की झाड़ में बच कर भाग निकले।

डाकुओं के गिराह के साथ हुई इस मुठभेड़ में श्री मनबोध सिंह चौहान, पुलिस उप-अधीक्षक ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए नेतृत्व, उत्कृष्ट वीरता तथा कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5

के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 अगस्त, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 43-प्रेष/79—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री जगदीश प्रसाद तिवारी,
पुलिस उप-निरीक्षक,
बांदा,
उत्तर प्रदेश।

श्री निर्भय सिंह तोमर,
पुलिस उप-निरीक्षक,
बांदा,
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

21 अगस्त, 1977 को लगभग 10.45 बजे श्री मनबोध सिंह चौहान, पुलिस उप-अधीक्षक को सूचना मिली कि सदाशिव तथा सोहन चमार के गिराह सुबह बरूआ बांध पर देखे गये हैं। श्री चौहान, श्री जगदीश प्रसाद तिवारी, पुलिस उप-निरीक्षक तथा अन्य पुलिस जवानों के साथ बरूआ बांध की ओर गए। डाकुओं के गिराह को नया छिबीन-पुरवा गांव के निकट एक पहाड़ी पर देखा गया। पुलिस दल दो टुकड़ियों में विभाजित किया गया तथा पहाड़ी की पूर्वी और पश्चिमी तरफ से नार्केबन्दी कर दी। जैसे ही डाकुओं को पुलिस की उपस्थिति एवं उसकी गतिविधि का आभास हुआ उन्होंने गोली चलाना शुरू कर दी। यह गोलीबारी लगभग 2-1/2 घंटे तक जारी रही। श्री चौहान ने सब महसूस किया कि यदि गोलीबारी देर तक जारी रखी जाये तो डाकू भंघेरे में बच कर भाग सकते हैं। तदनुसार वे एक कांस्टेबल के साथ पहाड़ी की तलहटी से दूसरी ओर श्री जे० पी० तिवारी की पुलिस टुकड़ी में मिलने के लिए रेंगते हुए आगे बढ़े। श्री तिवारी तथा निर्भय सिंह तोमर, उप-निरीक्षक समेत श्री चौहान ने डाकुओं पर धावा बोलने का आयोजन किया। डाकुओं की गोलीबारी की परवाह न करते हुए उन्होंने पहाड़ी पर रेंगना शुरू किया। श्री चौहान को ठीक बांध के नाचे बायें गाल पर बन्दूक की गोली लगी। श्री तोमर के भी बायें कान के ऊपर सिर में घाव हो गया तथा श्री तिवारी को उनकी बायें भुजा पर रगड़ से चोट आई। इन चोटों के बावजूद भी ये पुलिस अधिकारी विचलित नहीं हुए और आगे बढ़ते रहे। उन्होंने डाकुओं पर गोली चलाई तथा उनमें से दो को मौत के घाट उतार दिया। कुछ समय बाद कुमुक आ गई परन्तु अगली सुबह तक एक एक कर गोलीबारी होती रही। अगली सुबह तलाशी पर गोला-बारूद समेत डाकुओं के दो शव बरामद किए गए। बाकी डाकू भंघेरे की झाड़ में बच कर भाग निकले।

डाकुओं के गिराव के साथ हुई इस मुठभेड़ में श्री जगदीश प्रसाद तिवारी पुलिस उप-निरीक्षक तथा श्री निर्भय सिंह तोमर, पुलिस उप-निरीक्षक ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए उत्कृष्ट वीरता तथा कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 अगस्त, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 44-प्रेष/79--राष्ट्रपति, गोम्रा पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री विश्वनाथ रामचन्द्र वारिक,
पुलिस उप-निरीक्षक,
गोम्रा पुलिस दल,
पणजी, गोम्रा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

3 दिसम्बर, 1977 को 16.00 बज आमीनों के दल ने मापुसा थाने में सूचना दी कि एक खूँखार बाघ घंजुना गांव में घुस आया है और तीन आमीनों को घायल कर दिया है। बाघ गांव के बाहर एक मकान में छिपा हुआ है और वह किसी भी समय बाहर आ सकता है तथा आमीनों पर आक्रमण कर सकता है। एक पुलिस दल उस स्थान को भेजा गया। स्थिति का जायजा लेने एवं मोर्चा संभाल कर पुलिस उप-निरीक्षक श्री विश्वनाथ रामचन्द्र वारिक ने जानवर पर गोली चलाई। जानवर तुरन्त उस पर झपटा और भूमि पर गिरा दिया। उन्होंने जानवर पर बन्दूक से प्रहार करने की कोशिश की परन्तु वह दूट गई। श्री वारिक बाघ से निहत्थे लड़ते रहे और वीरतापूर्ण संघर्ष के पश्चात् वह बाघ की छाती पर बैठ गये और बाघ से उसकी गर्दन को लपेट लिया तथा कुदृती उसके मुँह में डाल दी। जानवर को अपने काबू में कर लेने के पश्चात् दलों की भीड़ में से तीन लड़के उनकी सहायता के लिए आये और जानवर को मार दिया। श्री वारिक घावों के कारण निशम हो गये और इलाज के लिये उनको अस्पताल ले जाया गया।

बाघ के साथ इस संघर्ष में श्री विश्वनाथ रामचन्द्र वारिक ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए उत्कृष्ट वीरता और विशिष्ट साहस का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 दिसम्बर, 1977 से दिया जायेगा।

सं० 45-प्रेष/79--राष्ट्रपति, उड़ीसा पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री रामानन्द राऊत
पुलिस कांस्टेबल सं० 440,
जिला सम्बलपुर,
उड़ीसा।

श्री मोहन चरण बेहरा,
पुलिस कांस्टेबल सं० 1038,
जिला सम्बलपुर,
उड़ीसा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

11 अक्तूबर, 1977 की रात को लगभग 2.30 बजे डाकुओं के अन्तराष्ट्रीय बल ने बराजाराजनगर कस्बे के श्री बदरी प्रसाद भ्रमवाल के मकान में आका डालने का प्रयत्न किया। ज्योंही घरवालों ने चीख-पुकार की, डाकुओं ने पीछे हटते हुए बम्ब फेंके। श्री रामानन्द राऊत और श्री मोहन चरण बेहरा ने जो उस समय गश्ती ड्यूटी पर थे, बम्ब विस्फोट की आवाज सुनी। वे तुरन्त उस ओर गये जहाँ से विस्फोट की आवाज सुनी गई थी। रास्ते में उनको एक टैक्सी मिली जिसमें डाकू भागने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने टैक्सी को रोकने का प्रयत्न किया किन्तु डाकुओं में से एक ने एक "खुखरी" से कांस्टेबल मोहन चरण बेहरा पर आक्रमण किया जिससे वे घायल हो गए और खून बहने लगा। दूसरा कांस्टेबल रामानन्द राऊत अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए तुरन्त टैक्सी की ओर, डाकुओं की टैक्सी से बाहर खींचने के लिए बढ़े। उन पर भी डाकुओं ने आक्रमण किया और उनकी दायाँ जाँघ में छुरा घोंप दिया। डाकुओं ने उनको खींचकर कार में डाल लिया और ले आते हुए एक डाकू ने उनके सिर पर रिवॉल्वर ताना हुआ था। डाकुओं ने उनके हाथ बांध दिए और आँखें बन्द कर दीं, मुँह में कपड़ा रूँस दिया और अन्त में उनको कार से बाहर फेंक दिया। दो कांस्टेबलों के उलझने से डाकुओं की वापसी में देरी हो गई और इससे पीछा करने वाला पुलिस दल काफी आगे बढ़ आया और काफी देर तक पीछा करने के पश्चात् चार डाकुओं को गिरफ्तार कर लिया।

डाकुओं के साथ इस मुठभेड़ में, श्री रामानन्द राऊत और श्री मोहन चरण बेहरा कांस्टेबलों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए मर्यादित डाकुओं का पीछा करने में उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 अक्तूबर, 1977 से दिया जायेगा।

सं० 46-प्रेष/79--राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राम नारायण यादव,
पुलिस उप-निरीक्षक,
देवरिया,
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

21 जून, 1977 को सूचना मिलने पर कि डाकू राणा प्रताप सिंह का गिराव गांव बारवाशाखी में जगदीश शास्त्री के मकान में मौजूद है, श्री राम नारायण यादव उपलब्ध पुलिस दल को साथ लेकर तुरन्त गांव में गये तथा जगदीश शास्त्री के मकान को घेर लिया। डाकुओं को पुलिस के आने का आभास हो गया तथा उन्होंने पुलिस को डराने तथा अपने बच निकलने के लिए अन्धाधुन्ध गोली चलाई। श्री राम नारायण यादव ने डाकुओं पर स्वयं गोली चलाई तथा अपने आदर्शियों को भी आत्मरक्षा में गोली चलाने का आदेश दिया। इससे एक डाकू मारा गया। श्री यादव गिराव के सरदार को गिरफ्तार करने में भी सफल हुए।

डाकुओं के गिराव के साथ मुठभेड़ में श्री राम नारायण यादव ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करने हुए उत्कृष्ट वीरता एवं नेतृत्व का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पत्रक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 जून, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 47-प्रेक्ष/79--राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दीना नाथ बुबे,
पुलिस उप-निरीक्षक,
गाजीपुर,
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

28 अक्तूबर, 1976 को गाजीपुर के पुलिस उप-निरीक्षक श्री दीना नाथ बुबे को अपराधियों के एक गिरोह की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली। उन्होंने तुरन्त उपलब्ध पुलिस दल को एकत्र किया और सालेच गांव की ओर बढ़े। श्री विश्वनाथ पांडे के बाग में अपराधियों को देख कर, श्री बुबे के नेतृत्व में पुलिस दल, गिरोह पर झपटा जिसने पुलिस दल पर अन्धाधुन्ध गोली चलाना शुरू कर दी। डाकुओं द्वारा अन्धाधुन्ध गोली चलाये जाने के कारण श्री बुबे को दाहिनी बाजू में बन्दूक की गोली लगी किन्तु अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, उन्होंने शिव मोहन का पीछा किया और उस पर गोली चलाई। जिसके परिणामस्वरूप शिव मोहन यादव मारा गया।

डाकुओं के साथ इस मुठभेड़ में श्री दीनानाथ बुबे ने असाधारण साहस, नेतृत्व, पहलुशक्ति एवं उच्च कोटि की सूझबूझ का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पत्रक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 अक्तूबर, 1976 से दिया जाएगा।

के० सी० मादप्पा, राष्ट्रपति के सचिव

योजना मंत्रालय
(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० एम०-11013/5/74-जे० सी० एम०/कोआर्डी--रोजगार एवं बेरोजगारी सांख्यिकी संबंधी तकनीकी सलाहकार समिति के गठन के बारे में इस विभाग की दिनांक 2 जुलाई, 1975 की समसंख्यक अधिसूचना में आंशिक रूप से संशोधन करते हुए उपर्युक्त अधिसूचना के पैरा 1 में परिलक्षित क्रम संख्या 3 और 4 की वर्तमान प्रविष्टियों को तत्काल क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है :

(1) निदेशक,
आर्थिक व सांख्यिकी कार्यालय (ब्यूरो)
गुजरात सरकार, अनुभाग सं० 18,
गांधी नगर।

(2) निदेशक,
आर्थिक व सांख्यिकी कार्यालय (ब्यूरो)
केरल सरकार,
त्रिवेन्द्रम।

के० सी० श्रीवास्तव, अवर सचिव

वाणिज्य तथा नागरिक प्रति मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० 4/18/79-ई० पी० जेड०--केन्द्रीय सरकार श्री ए० एस० गिल, सचिव (वाणिज्य) को श्री सी० आर० कृष्णास्वामी राय साहिब, सचिव (वाणिज्य) के स्थान पर सात्ताक्रुज इलेक्ट्रोनिक्स निर्यात प्रोसेसिंग जोन प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 4/1/73-ई० पी० जेड० दिनांक 15 फरवरी, 1973 तथा 10 जून, 1974 में निम्नलिखित और संशोधन करती है।

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक (1) के नामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्:-

1. श्री ए० एस० गिल,
सचिव,
वाणिज्य विभाग,
वाणिज्य तथा नागरिक प्रति मंत्रालय,
नई दिल्ली।

यू० आर० कुर्लेकर, अवर सचिव

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1979

संकल्प

सं० 33012/2/78-अर्थ नीति--इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 33012/2/78-अर्थ नीति दिनांक 30 जनवरी 1979, के अनुसार उत्पादन की लागत के अनुमानों की विधियों, पद्धतियों तथा अन्य मामलों की समीक्षा करने के सम्बन्ध में स्थापित हुई विशेष विशेषज्ञ समिति की कार्य अवधि को 31 दिसम्बर, 1979 तक बढ़ा दिया गया है।

2. समिति के विचारार्थ विषयों का विस्तार करने व उनमें निम्न मद को जोड़ने का भी निर्णय किया गया है।

3. (6) "कृषकों द्वारा प्राप्त होने वाले तथा उन द्वारा प्रदा किए जाने वाले मूल्यों के सूचकां में बराबरी रखने का उपयुक्तता की जांच करना।"

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, सभी राज्य सरकारों व संघ राज्य क्षेत्रों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, विशेष विशेषज्ञ समिति के सभी सदस्यों, डा० एस० पी० पंत, अर्थशास्त्री, अर्थ तथा सांख्यिकी निदेशालय, कृषि और सिंचाई मंत्रालय के सभी संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालयों, कृषि विभाग व अर्थ तथा सांख्यिकी निदेशालय के सभी अधिकारियों, महा-निवेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् और सचिव (कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग), अध्यक्ष तथा सदस्य सचिव (कृषि मूल्य आयोग), निदेशक (जन सम्पर्क) को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

एम० एस० स्वामीनाथन, सचिव

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

सं० 12-20/79-नीतिनियम-2 (यू 5)--भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संस्था ज्ञापन पत्र और नियमावली के नियम 3, 6 और 10 के अन्तर्गत श्री ए० बसुदेवन, सचिव (व्यय) वित्त मंत्रालय को श्री जे० पी० कक्कड़ के स्थान पर जो सचिव (व्यय)

के रूप में प्रबल सेवानिवृत्त हो चुके हैं, श्री कक्कड़ के शेष कार्यकाल के लिए, अर्थात् 29 जून, 1981 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के सदस्य के रूप में नामजब किया जाता है।

सोमनाथ पंडित, संयुक्त सचिव

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० एफ० 1-6/78 एस० पी०-1 (डी०-1)।—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या एफ० 1-6/78 एस० पी०-1 दिनांक 9 जून 1979 के अनुसरण में तथा इस मंत्रालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 31 मई, 1979 के क्रम में श्री त्रिस्तोकी नाथ धर, जिन्होंने श्री मनोहर सुब्रमणियम से उत्तर प्रदेश सरकार के खेल सचिव का कार्यभार संभाला है, को एतद्वारा अखिल भारतीय खेल परिषद् के सदस्य के रूप में तत्काल से 20 जुलाई 1981 तक उत्तर प्रदेश राज्य खेल परिषद् का प्रतिनिधित्व करने के लिए, श्री मनोहर सुब्रमणियम के स्थान पर, नियुक्त किया जाता है।

आनन्द सागर तलवार, उप सचिव

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्तूबर 1979

संकल्प

सं० 2/12/79-यू० एस० डी० 4 (.)—क्षेत्रीय बिजली बोर्डों से संबंधित मामले परमाणु विद्युत प्राधिकरण से परमाणु ऊर्जा विभाग के विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग स्वर्ध द्वारा ले लिये जाने पर, दक्षिण क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के गठन में यथा उपयुक्त संशोधन करना आवश्यक हो गया है। इसी के अनुसरण में, दक्षिण क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के गठन संबंधी, समय-समय पर यथासंशोधित संकल्प सं० बिजली-बो-35 (1)/63, दिनांक 7 फरवरी, 1964 के पैरा बो को नीचे लिखे अनुसार पुनर्गठित किया जाएगा:—

- (1) अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड।
- (2) अध्यक्ष, केरल राज्य बिजली बोर्ड।
- (3) अध्यक्ष, तमिलनाडु बिजली बोर्ड।
- (4) अध्यक्ष, कर्नाटक बिजली बोर्ड।
- (5) मुख्य सचिव, पाण्डिचेरी सरकार।
- (6) निदेशक विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी।
- (7) प्रबन्ध निदेशक, नेवेली लिगनाइट कारपोरेशन।
- (8) प्रबन्ध निदेशक, मैसूर विद्युत निगम।
- (9) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि।
- (10) सदस्य-सचिव।

उपरोक्त (1) से (4) तक में लिखित सदस्य वर्णानुक्रम से भारी-भारी से एक-एक वर्ष के लिए, इन क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपरोक्त संकल्प आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक सरकारों और राज्य बिजली बोर्डों को, पाण्डिचेरी संघ शासित क्षेत्र को परमाणु ऊर्जा विभाग को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को, दक्षिण क्षेत्रीय बिजली बोर्ड को, नेवेली लिगनाइट कारपोरेशन को, मैसूर विद्युत निगम को, भारत सरकार के मंत्रालयों को, प्रधान मंत्री के कार्यालय को, राष्ट्रपति के सचिव को, योजना आयोग को तथा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक को सूचित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

दिनांक 11 अक्तूबर 1979

संकल्प

सं० 2 (12)/79-यू० एस० डी०-4 (.)—क्षेत्रीय बिजली बोर्डों से संबंधित मामले परमाणु विद्युत प्राधिकरण से परमाणु ऊर्जा विभाग

के विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग स्वर्ध द्वारा ले लिये जाने पर पश्चिमी क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के गठन में यथा उपयुक्त संशोधन करना आवश्यक हो गया है। इसी के अनुसरण में, पश्चिमी क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के गठन संबंधी समय-समय पर यथासंशोधित संकल्प बि०-बो-35 (2)/63, दिनांक 28 मार्च, 64 के पैरा बो को नीचे लिखे अनुसार पुनर्गठित किया जाएगा:—

- (1) अध्यक्ष, गुजरात बिजली बोर्ड।
- (2) अध्यक्ष, मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड।
- (3) अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य बिजली बोर्ड।
- (4) सचिव, गुजरात सरकार उद्योग खान तथा विद्युत विभाग।
- (5) सचिव, गुजरात सरकार, लोक निर्माण विभाग।
- (6) सचिव, महाराष्ट्र सरकार उद्योग तथा श्रम विभाग।
- (7) सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, लोक निर्माण विभाग।
- (8) मुख्य इंजीनियर, विवाई तथा विद्युत विभाग, महाराष्ट्र।
- (9) मुख्य विद्युत इंजीनियर, गोवा, दमन और दीव।
- (10) कलेक्टर, दादर तथा नगर हवेली प्रशासन।
- (11) निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी।
- (12) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि।
- (13) सदस्य-सचिव।

उपरोक्त (1) से (3) तक में लिखित सदस्य भारी-भारी से एक-एक वर्ष के लिए इस क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपरोक्त संकल्प गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश को राज्य सरकारों और राज्य बिजली बोर्डों को गोवा, दमन और दीव के संघ शासित क्षेत्र को, दादर और नगर हवेली प्रशासन को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को, पश्चिमी क्षेत्रीय बिजली बोर्ड को, परमाणु ऊर्जा विभाग को, भारत सरकार के मंत्रालयों को, प्रधान मंत्री के कार्यालय को, राष्ट्रपति के सचिव को, योजना आयोग को तथा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक को सूचित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० रमेश, संयुक्त सचिव

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

संकल्प

सं० ए०-42012/23/79-ई-4--सरकार पिछले कुछ समय से तकनीकी विकास के महानिदेशालय की भूमिका, उसके कार्यों व संगठनात्मक ढाँचे की संवीक्षा करने के प्रश्न पर विचार करती रही है। इन संदर्भ में यह निर्णय किया गया है कि इस प्रकार की संवीक्षा करने व सरकार के विचारार्थ उपयुक्त सिफारिशें करने के लिए एक समिति नियुक्त की जाए।

2. इस समिति में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे:—

- | | |
|-----------------------------|---------|
| (1) श्री बी० जी० राजाध्याय, | अध्यक्ष |
| सदस्य, योजना आयोग, | |
| भारत सरकार | |
| (2) श्री एस० एस० मराठे, | सदस्य |
| सचिव, | |
| औद्योगिक विकास विभाग, | |
| भारत सरकार | |
| (3) श्री के० एस० राजन, | सदस्य |
| सचिव (तकनीकी विकास) एवं | |
| तकनीकी विकास का महानिदेशालय | |

- (4) श्री बी० कृष्णामूर्ति,
सचिव,
भारी उद्योग विभाग,
भारत सरकार सदस्य
- (5) श्री एल० कुमार,
अध्यक्ष,
औद्योगिक लागत तथा मूल्य व्यरो सदस्य
- (6) श्री के० शंकरनारायणन,
औद्योगिक सलाहकार (इंजीनियरी),
तकनीकी विकास का महानिदेशालय सचिव
- समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित हैं:—

(1) देश के औद्योगिकीय और औद्योगिक विकास के विद्यमान स्तर को ध्यान में रखते हुए, इन क्षेत्रों में समय विकास उद्देश्यों की दृष्टि से अग्रतः विकास के संवर्धन हेतु तकनीकी विकास के महानिदेशालय को एक गतिशील साधन बनाने के लिए अभ्युपायों की सिफारिश करना।

(2) संगठन के विनियमकारी कार्यों को संवर्धनपरक एवं विकासप्रसक्त कार्यों में बदलने संबंधी जांच करना और इसके बारे में सिफारिशें करना (उदाहरणार्थ महत्वपूर्ण उद्योगों के दीर्घाविधि के और

अत्यावधि के परिप्रेक्ष्यों में विकास और अग्रतः प्रौद्योगिकीय सुधार आदि के लिए नीति विकसित करना)।

(3) परिवर्तित महत्व के अनुसंधान संगठन के कर्मचारियों के पुनः निर्धारण/संख्या में कमी करने के अग्रतः और प्रविधि की विफारिश करना, तथा

(4) संगठन की प्रकल्पित नयी भूमिका को दृष्टि में रखते हुए संगठन के अध्यक्ष सहित उच्च स्तरीय नियुक्तियां करने के लिये अर्हता अनुभव, भर्ती के साधन आदि के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धान्त निर्धारित करना।

4. विचार-विमर्श में सहायता करने के लिये समिति ऐसे व्यक्तियों को सहयोग प्रदान कर सकती है जो विचारार्थ विषयों से विनिष्ट रूप से संबंधित हों।

5. समिति को अपनी रिपोर्ट यथाशीघ्र हर हालत में 15 फरवरी, 1980 तक प्रस्तुत कर देनी चाहिये।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाये, यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाये।

भार० एन० चौधरी, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 25th October 1979

No. 42-Pres/79.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Manbodh Singh Chauhan,
Deputy Superintendent of Police,
Banda,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

At 10.45 hours on the 21st August, 1977, Shri Manbodh Singh Chauhan, Deputy Superintendent of Police received information that the gangs headed by Sadashiv and Sohan Chamar had been seen at Barua Dam in the morning. Shri Chauhan along with Shri Jagdish Prasad Tewari, Sub Inspector of Police and other Police personnel left for the Barua Dam. The gang was spotted on a hillock near Naya Chhivinapurwa village. The Police force was divided into two groups and took position on the eastern and western sides of the hillock. As soon as the dacoits became aware of the presence and movement of the police party, they started firing on them. This firing continued for about 2 1/2 hours. Shri Chauhan then felt that in case the engagement was prolonged further the dacoits might escape under cover of darkness. He, therefore, crawled with one constable along the foot of the hillock to join the police party led by Shri J. P. Tiwari on the other side. Shri Chauhan along with Shri Tiwari and Shri Nirbhay Singh Tomar, Sub Inspector then organised a raid on the dacoits. They started crawling up the hillock in disregard of firing by the dacoits. Shri Chauhan received a gunshot injury on his right cheek just below the eye. Shri Tomar was also wounded on the head above the left ear and Shri Tiwari received an abraded injury on his left forearm. Despite these injuries, these police officers were undeterred and went on advancing. They fired at the dacoits and killed two of them. After some time, reinforcement arrived but intermittent firing continued till next morning. A search was made on the next morning and the bodies of two dead dacoits were recovered along with arms and ammunitions. The remaining dacoits escaped in the night under the cover of darkness.

In the encounter with the gang of dacoits Shri Manbodh Singh Chauhan, Deputy Superintendent of Police exhibited leadership, conspicuous gallantry and devotion to duty in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st August, 1977.

No. 43—Pres/79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and ranks of the officers

Shri Jagdish Prasad Tiwari,
Sub Inspector of Police,
Banda,
Uttar Pradesh.
Banda,
Shri Nirbhay Singh Tomar,
Sub Inspector of Police,
Banda,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

At 10.45 hours on the 21st August, 1977, Shri Manbodh Singh Chauhan, Deputy Superintendent of Police received information that the gangs headed by Sadashiv and Sohan Chamar had been seen at Barua Dam in the morning. Shri Chauhan along with Shri Jagdish Prasad Tewari, Sub Inspector of Police and other Police personnel left for the Barua Dam. The gang was spotted on a hillock near Naya Chhivinapurwa village. The Police force was divided into two groups and took position on the eastern and western sides of the hillock. As soon as the dacoits became aware of the presence and movement of the police party, they started firing on them. This firing continued for about 2 1/2 hours. Shri Chauhan then felt that in case the engagement was prolonged further the dacoits might escape under cover of darkness. He, therefore, crawled with one constable along the foot of the hillock to join the police party led by Shri J. P. Tiwari on the other side. Shri Chauhan along with Shri Tiwari and Shri Nirbhay Singh Tomar, Sub Inspector then organised a raid on the dacoits. They started crawling up the hillock in disregard of firing by the dacoits. Shri Chauhan received a gunshot injury on his right cheek just below the eye. Shri Tomar was also wounded on the head above the left ear and Shri Tiwari received an abraded injury on his left forearm. Despite these injuries, these police officers were undeterred and went on advancing. They fired at the dacoits and killed two of them. After some time, reinforcement arrived but intermittent firing continued till next morning. A search was made on the next morning and the bodies of two dead dacoits were recovered along with arms and ammunitions. The remaining dacoits escaped in the night under the cover of darkness.

In the encounter with the gang of dacoits Shri Jagdish Prasad Tiwari, Sub Inspector of Police and Shri Nirbhay Singh Tomar, Sub-Inspector of Police exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty in disregard of their personal safety.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st August, 1977.

No. 44-Pres/79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Goa Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Vishvanath Ramchandra Varik,
Sub Inspector of Police,
Goa Police Force,
Panaji,
Goa.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 3rd December, 1977, at 16.00 hours a group of villagers reported at Mapusa Police Station that a ferocious tiger had entered Anjuna village and had attacked and wounded three villagers. The tiger was then hiding in an out-house in the village and it might come out in the open and attack the villagers again at any time. A police party was sent to the locality. After assessing the situation and taking up position, Shri Vishvanath Ramchandra Varik, Sub Inspector of Police fired on the animal. The beast immediately pounced upon him and threw him on the ground. He tried to hit the animal with the gun which broke. Shri Varik fought with the tiger bare handed and after a gallant fight sat on the chest of the tiger by putting his forearm across its neck and elbow into the mouth of the animal. After he had over powered the animal, three boys from the watching crowd came to his help and killed the animal. Shri Varik was exhausted by his wounds and had to be removed to hospital for treatment.

In this struggle with the tiger, Shri Vishvanath Ramchandra Varik exhibited conspicuous gallantry and exceptional courage in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 with effect from the 3rd December 1977.

No. 45-Pres/79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Orissa Police :—

Names and ranks of the Officers

Shri Rasananda Raut,
Police Constable No. 440,
Sambalpur District,
Orissa.

Shri Mohan Charan Behera,
Police Constable No. 1038,
Sambalpur District,
Orissa.

Statement of services for which the decorations has been awarded.

On the night of 11 October, 1977, at about 2.30 A.M., an inter-state gang of dacoits attempted to raid the house of Shri Badri Prasad Agaralla in Brajarajnagar town. As the inmates of the house raised a hue and cry, the dacoits retreated exploding bombs. Shri Rasananda Raut and Shri Mohan Charan Behera, who were at that time on petrol duty, heard the explosion. They immediately rushed in the direction from

where the sound of explosions had been heard. On the way, they came across a taxi in which the dacoits were attempting to decamp. They tried to obstruct the taxi but one of the dacoits attacked Constable Mohan Charan Behera with a "KHUKURI" causing bleeding injuries. The other Constable, Rasananda Raut without caring for his safety rushed towards the taxi in order to pull out the dacoits. He was, however, attached by the dacoits who stabbed him with a knife on his right thigh. He was dragged into the car and whisked away by the dacoits who pointed a revolver at his head. The dacoits then tied his hands and covered the eyes, gagged him and finally threw him out of the car. The intervention of the two Constables delayed the retreat of the dacoits and provided a definite lead to the chasing police party who apprehended 4 members of the dacoits after a hard chase.

In this encounter with the dacoits, Shri Rasananda Raut and Shri Mohan Charan Behera, Constables thus exhibited conspicuous gallantry in chasing the armed dacoits in disregard of their personal safety

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th October, 1977.

No. 46—Press/79—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Ram Narain Yadav,
Sub Inspector of Police,
Deoria,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decorations has been awarded.

On the 21st June, 1977 on receiving information that the gang of dacoit Rana Pratap Singh was present at the house of Jagdish Shaki in village Barwa Shaki, Shri Ram Narain Yadav collected available forces and rushed to the village and surrounded the house of Jagdish Shaki. The dacoits sensed the arrival of the Police and started indiscriminate firing to terrorise the police and to effect their escape. Shri Ram Narain Yadav himself opened fire on the dacoits and also directed his men to open fire in self-defence. One dacoit was shot dead. Sri Yadav also succeeded in arresting the leader of the gang.

In the encounter with a gang of dacoits, Shri Ram Narain Yadav exhibited conspicuous gallantry and leadership in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st June, 1977.

No. 47-Pres/79.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Dina Nath Dubey,
Sub Inspector of Police,
Ghazipur,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 28th October, 1976, Shri Dina Nath Dubey, Sub Inspector of Police, Ghazipur received information about the movement of a gang of criminals. He immediately collected the available police force and proceeded towards Salaich village. Locating the criminals in the grove of Shri Vishwanath Pandey, the police party headed by Shri Dubey pounced upon the gang who started firing recklessly on the police party. Shri Dubey received a gun-shot injury in his right arm because of indiscriminate firing by the criminals but in complete disregard of his personal safety, he chased Shiv Mohan Yadav and fired at him as a result of which Shiv Mohan Yadav was killed.

In this encounter Shri Dina Nath Dubey exhibited exceptional courage, leadership, initiative and presence of mind of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 28th October, 1976.

K. C. MADAPPA
Secretary to the President

MINISTRY OF PLANNING DEPARTMENT OF STATISTICS

New Delhi-1, the 27th September 1979

No. H-11013/5/74-JCM/Coord.—In partial modification of this Department Notification of even number dated the 2nd July, 1975, constituting the Technical Advisory Committee on Statistics of Employment and Unemployment, the existing entries at Sl. Nos. 3 and 4 appearing in the para 1 of the aforesaid notification are substituted with immediate effect by the following entries respectively.

- (1) Director,
Bureau of Economics & Statistics,
Govt. of Gujarat, Section No. 18,
Gandhi Nagar.
- (2) Director,
Bureau of Economic
Statistics, Govt. of Kerala,
Trivandrum.

K. C. SRIVASTAVA, Under Secy.

MINISTRY OF COMMERCE & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

New Delhi, the 26th September 1979

No. 4/18/78-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri A. S. Gill, Secretary (Commerce) as Chairman of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Authority vice Shri C. R. Krishnaswamy Rao Sahib, Secretary (Commerce) and makes the following further amendment in the Government of India Ministry of Commerce Notification No. 4/1/73-EPZ dated the 15th February, 1973 and 10th June, 1974.

In the said notification for the entry against serial number (1), the following entry shall be substituted, namely :—

1. Shri A. S. Gill,
Secretary,
Department of Commerce,
Ministry of Commerce & Civil Supplies,
New Delhi.

U. R. KURLEKAR Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 24th September 1979

RESOLUTION

No. 33012/2/78-Econ. Py.—The term of the Special Expert Committee, constituted vide Government of India Resolution No. 33012/2/78-Econ. Py., dated the 30th January, 1979 for reviewing methodology, procedures and other related matters concerning cost of production estimates, has been extended upto 31st December, 1979.

2. It has also been decided to expand the terms of reference of the Committee so as to include the following items:

- (vi) "To examine the desirability of constructing a parity index of prices received and prices paid by farmers".

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, all Members of the Special Expert Committee, Dr. S. P. Pant, Economist, Directorate of Economics and Statistics, and all attached and subordinate offices of the Ministry of Agriculture and Irrigation, all Officers of the Department of Agriculture and Directorate of Economics and Statistics, Director General, Indian Council of Agricultural Research and Secretary (DARE), Chairman and Member Secretary, Agricultural Prices Commission, Director (Public Relations).

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. S. SWAMINATHAN, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 15th October 1979

No. F. 12-20/79-PN. 2(U.5).—Under Rules 3, 6 and 10 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, Shri S. Vasudevan, Secretary (Expenditure), Ministry of Finance is nominated as a Member of the Indian Council of Social Science Research vice Shri J. P. Kacker, who has since retired as Secretary (Expenditure), for the residue of Shri Kacker's term, i.e. upto 29-6-1981.

S. N. PANDITA, Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE (DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, the 7th September 1979

No. F. 1-6/78-SP. 1(D.I).—In pursuance of this Ministry Resolution No. F. 1-6/78-SP. 1 dated the 9th June, 1979 and in continuation of this Ministry's Notification of even number dated the 31st May, 1979, Shri Triloki Nath Dhar who has taken over as Sports Secretary, Government of Uttar Pradesh from Shri Manohar Subramaniam is hereby appointed as a member of the All India Council of sports with

immediate effect and until 20th July, 1981 *vice* Shri Manohar Subramaniam, to represent the State Sports Council of Uttar Pradesh.

A. S. TALWAR, Dy. Secy.

MINISTRY OF ENERGY
(DEPARTMENT OF POWER)

New Delhi, the 10th October 1979

RESOLUTION

No. 2/12/79-USD-IV(.).—The matters pertaining to the Regional Electricity Boards having been taken over by the PPED wing of the Department of Atomic Energy from the Atomic Power Authority, it has become necessary to suitably amend the composition of Southern Region Electricity Board. In pursuance thereof, para 2 of the Resolution No. EL-II-35(1)/63, dated the 7th February 1964 relating to composition of the Southern Regional Electricity Board, as amended from time to time shall be reconstituted as follows :—

- (i) The Chairman, Andhra Pradesh State Electricity Board.
- (ii) The Chairman, Kerala State Electricity Board.
- (iii) The Chairman, Tamil Nadu Electricity Board.
- (iv) The Chairman, Karnataka Electricity Board.
- (v) The Chief Secretary, Government of Pondicherry.
- (vi) The Director, PPED, Department of Atomic Energy, or his nominee.
- (vii) The Managing Director, Neyveli Lignite Corporation.
- (viii) The Managing Director, Mysore Power Corporation.
- (ix) A representative of the Central Electricity Authority.
- (x) The Member Secretary.

The Member at (i) to (iv) above shall be the Chairman of the Regional Electricity Board, by rotation, in alphabetical order, for one year each.

ORDER

ORDERED that the above resolution be communicated to the Governments and State Electricity Boards of Andhra Pradesh, Kerala, Tamil Nadu and Karnataka, Union Territory of Pondicherry, the Department of Atomic Energy, the Central Electricity Authority, the Southern Regional Electricity Board, the Neyveli Lignite Corporation, the Mysore Power Corporation, the Ministries of the Government of India, the Prime Minister's office the Secretary to the President, the Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

The 11th October 1979

RESOLUTION

No. 2/12/79-USD-IV(.).—The matters pertaining to the Regional Electricity Boards having been taken over by the PPED wing of the Department of Atomic Energy from the Atomic Power Authority, it has become necessary to suitably amend the composition of Western Regional Electricity Board. In pursuance thereof, Para 2 of the Resolution No. EL-II 35(2)/63 dated the 28th March 1964 relating to composition of the Western Regional Electricity Board, as amended from time to time shall be reconstituted as follows :—

- (i) The Chairman Gujarat Electricity Board.
- (ii) The Chairman, Madhya Pradesh Electricity Board.
- (iii) The Chairman, Maharashtra State Electricity Board.
- (iv) The Secretary to the Govt. of Gujarat, Industries, Mines and Power Department.
- (v) The Secretary to the Govt. of Gujarat, Public Works Department.
- (vi) The Secretary to the Govt. of Maharashtra, Industries and Labour Department.

- (vii) The Secretary to the Govt. of Madhya Pradesh, Public Works Department.
- (viii) The Chief Engineer, Irrigation & Power Department, Maharashtra.
- (ix) The Chief Electrical Engineer of Goa, Daman & Diu.
- (x) The Collector, Dadra & Nagar Haveli Administration.
- (xi) The Director, PPED, Department of Atomic Energy, or his nominee.
- (xii) A representative of the Central Electricity Authority.
- (xiii) The Member—Secretary.

The Members at (i) to (iii) above shall be the Chairman of the Regional Electricity Board by rotation for one year each.

ORDER

ORDERED that the above resolution be communicated to the Governments and State Electricity Boards of Gujarat, Maharashtra and Madhya Pradesh, Union Territories of Goa, Daman and Diu, Dadra and Nagar Haveli administration, the Central Electricity Authority, the Western Regional Electricity Board, the Department of Atomic Energy, the Ministries of the Government of India, the Prime Minister's office, the Secretary to the President, the Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. RAMESH, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 15th October 1979

RESOLUTION

No. A. 42012/23/79-E. IV.—Government have been considering for some time past, the question of undertaking a review of the role, functions and organisational structure of the Directorate General of Technical Development. In this context, it has been decided to appoint a Committee to undertake such a review and make appropriate recommendations for the consideration of Government.

2. The Committee will consist of the following :—

- (i) Shri V. G. Rajadhyaksha,
Member, Planning Commission,
Government of India. —Chairman
- (ii) Shri S. S. Marathe,
Secretary,
Department of Industrial Development,
Government of India —Member
- (iii) Shri K. S. Rajan,
Secretary (TD) & DGTD,
Directorate General of Technical
Development —Member
- (iv) Shri V. Krishnamurthy,
Secretary,
Department of Heavy Industry,
Government of India —Member
- (v) Shri I. Kumar
Chairman,
Bureau of Industrial Costs
and Prices —Member
- (vi) Shri K. Sankaranarayanan,
Industrial Adviser (Engineering)
Directorate General of
Technical Development —Secretary

3. The terms of reference of the Committee are as follows :—

- (i) Keeping in mind the present level of technological and industrial development in the country, to generally recommend measures for making the Directorate General of Technical Development a dynamic instru-

ment for promoting further growth in these fields, in keeping with overall development goals.

- (ii) To examine and make recommendations for securing within the Organisation, a shift in emphasis from regulatory functions to promotional and developmental functions (e.g. development of perspectives both short and long term, for important industries and evaluation of strategies for further technological improvement, etc.)
- (iii) To recommend the scope and methods for relocation / reduction of staff in the organisation in keeping with such changed emphasis; and
- (iv) To prescribe guidelines regarding qualifications, experience, source of recruitment, etc. for high level appointments, including the head of the organisation,

keeping in view the new role envisaged for the organisation.

4. In order to assist in its deliberations, the Committee may associate or coopt such persons as may be concerned with specific terms of reference.

5. The Committee should submit its report as soon as possible and in any case, not later than the 15th February, 1980.

ORDER

ORDERED that a copy of th Resolution be communicated to all concerned;

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. N. CHOPRA, Jt. Secy.

